

भारत सरकार
कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3166
(दिनांक 19.03.2026 को उत्तर के लिए)

यूपीएससी परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाना

3166. श्री कार्तिकेय शर्मा:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) यूपीएससी की पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए, परिणाम घोषित किए जाने के तुरंत बाद प्रारंभिक परीक्षा के अंकों और आधिकारिक उत्तर कुंजियों को वास्तविक समय में जारी करने की परिपाटी शुरू करने हेतु क्या विशिष्ट कदम उठाए गए हैं;
- (ख) वैकल्पिक विषयों और सीएसएटी प्रश्न-पत्र में कठिनाई के स्तरों के मानकीकरण के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और
- (ग) क्या सरकार विशेष रूप से भर्ती परीक्षाओं में तथ्यात्मक त्रुटियों को चुनौती देने हेतु अभ्यर्थियों के लिए एक 'एकल-खिड़की शिकायत पोर्टल' शुरू करने का विचार रखती है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क): डब्ल्यू. पी. (सी) संख्या 118/2024 में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में, यूपीएससी ने प्रारंभिक परीक्षा आयोजित होने के बाद अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अस्थायी उत्तर कुंजी जारी करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। यूपीएससी द्वारा आयोजित सभी संरचित परीक्षाओं के लिए, इसे सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2026 से लागू किया जाएगा। प्रारंभिक परीक्षा के अंक, परीक्षा के अंतिम परिणाम की घोषणा के बाद ही जारी किए जाएंगे।

(ख): वैकल्पिक विषयों में सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने हेतु, यूपीएससी इंटर-विषय मॉडरेशन लागू करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी उम्मीदवार को किसी भी प्रकार की हानि न हो, चाहे उसने कोई भी वैकल्पिक विषय चुना हो। पारंपरिक/वर्णनात्मक प्रकार की उत्तर पुस्तिकाओं के मॉडरेशन/मूल्यांकन में शामिल प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी, यूपीएससी की वेबसाइट: <https://upsc.gov.in/content/method-moderation-adopted-commission-cannot-be-faulted-subjective-or-un-scientific> पर प्राप्त की जा सकती है।

सी-सेट (सीएसएटी) एक अर्हक परीक्षा है और इसका उद्देश्य गुणवत्ता तथा विश्लेषणात्मक सक्षमता के न्यूनतम स्तर को सुनिश्चित करना है। इन प्रश्नों का स्तर, मैट्रिक स्तर के अनुरूप होता है।

(ग): तथ्यात्मक त्रुटियों को चुनौती देने के लिए यूपीएससी में प्रश्न पत्र अभ्यावेदन पोर्टल (क्यूपीआरईपी) नाम से एक समर्पित पोर्टल है जिसे इसकी वेबसाइट <https://upsonline.nic.in> पर देखा जा सकता है। इस पोर्टल के माध्यम से उम्मीदवार प्रश्न पत्र और अनंतिम उत्तर कुंजियों (सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2026 से) में विसंगतियों के संबंध में अपने अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। यूपीएससी केंद्रीय लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्स) तथा ईमेल पर उम्मीदवारों द्वारा की गई शिकायतों का भी निपटान करता है।
